A–607

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MAJY–606

होराशास्त्र एवं फलादेश विवेचन–02

MA JYOTISH (MAJY)

4th Semester Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अरिष्ट किसे कहते हैं ? कितने प्रकार होते हैं ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

2. अरिष्ट विचार में त्रिपताकि चक्र के साथ स्पष्ट कीजिए।

3. नवग्रहों द्वारा अरिष्ट योगों का निदान कैसे किया जाता है ? स्पष्ट कीजिए।

4. अल्पायु, मध्यायु एवं दीर्घायु योगों का विस्तृत उल्लेख कीजिए।

5. प्रथम, चतुर्थ, सप्तम एवं दशम भावफलों का विवेचन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अरिष्ट योग का निदान कैसे किया जाता है ? संक्षिप्त रूप में वर्णन कीजिए।

2. अरिष्ट विचार पर टिप्पणी लिखिए।

3. द्वादश भावफल विचार का लेखन कीजिए।

4. नवग्रहों के वैदिक मंत्र लिखिए।

5. प्रथम एवं द्‌वितीय भाव फलों का विवेचन कीजिए।

6. रविवार एवं सोमवार को जन्म लेने वाले जातक का फल लिखिए।

7. पंचमी तिथि का फल लिखिए।

8. द्विग्रहादि योग से क्या तात्पर्य है ? फलसहित लेखन कीजिए।

****